प्रश्न: समानान्तर अर्थव्यवस्था क्या है? इसका देश की अर्थव्यवस्था पर क्या विपरीत प्रभाव पड़ता है? इस पर कैसे नियंत्रण किया जा सकता है? (250 शब्द)

उत्तर: जब अर्थव्यवस्था में सरकारी नियमों, उपनियमों की उपेक्षा करके कर अपवंचन द्वारा काले धन का संचालन होता है, तब उस अर्थव्यवस्था को समानांतर अर्थव्यवस्था कहते हैं। यह काले धन के सृजन और संचालन का परिणाम है।

काले धन से सृजित समानांतर अर्थव्यवस्था से देश की आर्थिक और सामाजिक व्यवस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जो मुख्यतः इस प्रकार है :-

- कर चोरी से सरकारी खजाने को राजस्व की हानि होती है, जिससे राष्ट्रीय आय में कमी आती है। राष्ट्रीय आय में कमी होने से सरकार को सामाजिक तथा कल्याणकारी नीतियों को व्यावहारिक रूप देने तथा उन्हें लागू करने में कठिनाई होती है।
- प्रत्यक्ष कर जाँच समिति के अनुसार, काला धन और कर चोरी साथ-साथ चलते हैं। इससे कराधान में एकरूपता की अवधारणा को आघात पहुँचा है तथा कर की प्रगतिशीलता को भी इसने कम कर दिया है। काला धन और कर चोरी के कारण ईमानदार कर दाता पर बोझ और भी बढ़ जाता है।
- कर चोरी की आय का मापन नहीं होता है। इसलिए ~~ऐसे~~ लोग इसका उपयोग गैर-आवश्यक वस्तुओं के क्रय-विक्रय में करते हैं। परिणामस्वरूप, इसके मूल्य बढ़ जाते हैं।
- काले धन का एक बड़ा भाग नकदी के तौर पर रखा जाता है। इसलिए तरल पूंजी की अधिकता रहती है जिससे लोगों की क्रय-शक्ति बढ़ जाती है और परिणामस्वरूप मुद्रास्फीति की स्थिति उत्पन्न होती है।
- बड़ी मात्रा में देश से बाहर काला धन भेजा जा रहा है, जिससे आर्थिक रूप से विकसित और सम्पन्न देश और अधिक सम्पन्न बन रहे हैं।

काले धन को रोकने हेतु स्वैच्छिक आय योजना लायी गयी है, जिसके द्वारा लोग अपनी छिपी आय को स्वेच्छा से घोषित कर सकते हैं। काले धन को रोकने के लिए बड़ी मुद्रा के नोटों के प्रचलन को बंद करना अथवा नोट में परिवर्तन करना आवश्यक है। साथ ही करों की दरों को कम किया जा सकता है, ताकि लोग ईमानदारी से कर दे सकें। इसी क्रम में जन जागरूकता के अन्य उपायों का सहारा लिया जा सकता है।

Good